Postal Regd. No. :
HP/115/SML/2020-22
< Postage Prepaid >

www.bakhabarconnect.com

शिमला | मंगलवार | 5 - 11 अक्तूबर 2022

• वर्ष 9 • अंक 7 • पृष्ठ 4 • साप्ताहिक • मूल्य 1/-
आर.एन.आई. नं. एचपीएमयूएल / 2014/58822

] विचार »

सभी प्राणियों के लिए सद्भावना ही सच्चा धर्म है।

- बुद्ध

बाख़बर कनेक्ट

@bakhabarconnect

कार्रवाई, सरगोशी से शाया होने तक

परिवर्तन के लिए मतदान जरूरी

2

मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के समापन अवसर पर बढ़ाया देवताओं का नजराना

देवेन्द्र कश्यप
कुल्लू . बाख़बर कनेक्ट

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने कुल्लू के अटल सदन के सभागार में अंतर्राष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव-2022 के समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुल्लू घाटी के देवी-देवताओं के नजराने में 15 प्रतिशत और बजंतरियों के मानदेय में 20 प्रतिशत की वृद्धि करने की घोषणा की। उन्होंने कुल्लू दशहरा के लिए दूर-दूर से आने वाले देवताओं के दूरी भत्ते में भी बढ़ोतरी की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि दूरी भत्ता न पाने वाले देवी-देवताओं को भी जिला कारदार संघ की मांग के अनुसार 1500 रुपये भत्ता दिया

जाएगा। उन्होंने हरिपुर और मणिकर्ण में दशहरे के आयोजन के लिए दी जाने वाली अनुदान राशि को एक लाख रुपये से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपये और वशिष्ठ में दशहरा के लिए 75 हजार से बढ़ाकर एक लाख रुपये करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि नग्गर में भी दशहरा के उत्सव के लिए 50,000 रुपये का अनुदान दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुल्लू दशहरा राज्य के सबसे महत्वपूर्ण उत्सवों में से एक है और इसमें लाखों लोग उत्साह एवं उल्लास के साथ भाग लेते हैं। उन्होंने कहा कि इस साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से अंतर्राष्ट्रीय कुल्लू दशहरा और भी ऐतिहासिक हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने न केवल इस उत्सव में भाग लिया, बल्कि विधिवत पूजा-अर्चना करके भगवान रघुनाथ का आशीर्वाद भी लिया।

जय राम ठाकुर ने कहा कि कोविड महामारी के बावजूद प्रदेश सरकार ने हिमाचल का विकास प्रभावित नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि एम्स और अटल टनल आदि संस्थान एवं परियोजनाओं के लोकार्पण से राज्य के चहुमुखी विकास को बल मिला है।

पंच परमेश्वर सम्मेलन में शामिल हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा

निशा देवी
सोलन . बाख़बर कनेक्ट

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा नौणी विश्वविद्यालय सोलन में पंच परमेश्वर की बैठक में शामिल हुए।

बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, सह प्रभारी संजय टंडन, विधायक डॉ राजीव बिंदल, मंत्री राजीव सहजल, सुरेश भारद्वाज और भाजपा उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम गुलेरिया ने भी भाग लिया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने सभी पंचायती राज सदस्यों को टिप्स दिए और आगामी आम चुनाव में इन सदस्यों की पूरी भूमिका पर चर्चा की।

कल्याणकारी योजनाओं का अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा लाभ : डॉ. सैजल

सोलन : डॉ. राजीव सैजल ने ग्राम पंचायत कोंरो कैंथड़ी के गांव लघेचघाट में लगभग 51 लाख रुपये की विभिन्न परियोजनाओं के उद्घाटन व शिलान्यास किए। इसके उपरांत, डॉ. सैजल ने जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार ने विकास की दुगुनी रफतार से हिमाचल प्रदेश को विकास के शिखर पर पहुंचाया है। गांव-देहात में समृद्धि की अनेक योजनाएं चलाई जा रही है। इन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है जिससे आम व्यक्ति का जीवन सरल हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के कार्यकाल में कसौली विधानसभा क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है।

बल्क ड्रग पार्क की डीपीआर को केंद्र सरकार ने दी मंजूरी : जय राम ठाकुर

ललित कश्यप
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

मुख्यमंत्री ने कहा, राष्ट्रीय महत्व की यह परियोजना राज्य में विशेष रूप से फार्मास्युटिकल क्षेत्र में दूसरी औद्योगिक क्रांति की शुरुआत करेगी। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने कहा कि जिला ऊना के हरोली में बनने वाले बल्क ड्रग पार्क की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) को केंद्र सरकार ने अंतिम मंजूरी प्रदान कर दी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजना संचालन समिति ने इस मेगा प्रोजेक्ट की डीपीआर को अपनी अंतिम स्वीकृति दी। योजना चयन समिति द्वारा स्वीकृति प्रदान किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने

कहा कि राष्ट्रीय महत्व की इस परियोजना को अंतिम मंजूरी मिलने से राज्य में, विशेष रूप से फार्मास्युटिकल क्षेत्र में दूसरी औद्योगिक क्रांति की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केंद्र और राज्य की 'डबल इंजन' सरकार का सकारात्मक प्रभाव है, जो एकजुट होकर काम करती हैं और प्रतिस्पर्धी एवं सहकारी संघवाद की भावना को सुदृढ़ करती हैं।

जय राम ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार उद्योग विभाग के माध्यम से मेडिकल डिवाइस पार्क और बल्क ड्रग पार्क दोनों को समयबद्ध तरीके से निष्पादित करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि हिमाचल प्रदेश इन मेगा परियोजनाओं का भरपूर लाभ उठा सके। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश सरकार और समस्त प्रदेशवासियों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण हैं। उन्होंने कहा कि बल्क ड्रग पार्क न केवल राज्य में मौजूदा फार्मा फॉर्मूलेशन इकाइयों के लिए मददगार साबित होगा।

लूहरी जलविद्युत परियोजना ने मानवता की सेवा के लिए रक्तदान शिविर किया आयोजित

बाख़बर न्यूज
बिथल . बाख़बर कनेक्ट

एसजेवीएन की लूहरी जलविद्युत परियोजना में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अर्न्तगत एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन बिथल कार्यालय परिसर में किया गया। रक्तदान शिविर में कुल 51 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

शिविर का आरम्भ नाथपा झाकड़ी जलविद्युत स्टेशन के कार्यपालक निदेशक/परियोजना प्रमुख आर. सी. नेगी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी उपस्थित कर्मचारियों को रक्तदान का हमारे

जीवन में महत्व पर अपने विचार रखे तथा सभी रक्तदाताओं को रक्तदान के लिए प्रेरित किया।

रक्तदाताओं की सूची में स्थानीय लोग, मै. एलएचपीसी के कर्मचारी व लूहरी जलविद्युत परियोजना के कर्मचारी शामिल हुए। इस शिविर में महिलाओं ने भी बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

परियोजना प्रबन्धन ने मानवता को प्रोत्साहित करने के लिए सभी रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह के साथ-साथ रक्तदान प्रमाण पत्र भी भेंट किए। अंत में प्रबन्धक (मानव संसाधन) राजेन्द्र सिंह ने आईजीएमसी के रक्तकोष दल एंव स्थानीय लोगों का इस बहुमूल्य सहयोग के लिए धन्यवाद किया। इस अवसर पर सुनील चौधरी (परियोजना प्रमुख), डा0 विवेक सुरीन (मुख्य चिकित्सा अधिकारी), नन्द लाल, महाप्रबन्धक (वित एवं लेखा), अलका जायसवाल, अपर-महाप्रबन्धक (आर. एण्ड आर.) राजेन्द्र सचदेवा, उप-महाप्रबन्धक (विद्युत), एवं स्थानीय पंचायतों के जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

. बाख़बर कनेक्ट .

[सम्पादकीय]

परिवर्तन के लिए मतदान जरूरी

समाज में यदि व्यक्ति को चाहिए की कोई परिवर्तन होना चाहिए तो उन्हें मतदान जरूर करना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति अपने मत का प्रयोग नहीं करता है तो उसे शिकायत करने का अधिकार भी नहीं होना है। ये शब्द है महान लुईस लामॉर के जिन्होंने कहा था कि लोकतंत्र को प्रभावशाली बनाने के लिए हमारे अंदर भागीदारी की भावना होनी चाहिए। हमें केवल पर्यवेक्षक ही नहीं होना चाहिए। लोकतंत्र को जनता की भागीदारी के विस्तार के रूप में देखा जा सकता है। हर व्यक्ति तो अच्छे उम्मीदवार को वोट देना चाहिए ताकि वह समाज के प्रति सकारात्मक कार्य करे। उन्हें ऐसे ही व्यक्ति को वोट देना चाहिए जो आम व्यक्ति की समस्याओं, उनकी परेशानियों को हल करे, समाज हित के लिए योजनाएं बनाए, देश की आर्थिक सिथती को मध्यनज़र रखते हुए कार्य करें। साथ ही पड़ोसी जिले, राज्य व देश के साथ तालमेल करके चले।

सरकार बनाने में सर्वोच्च शक्ति जनता के हाथ में होती है और जनता चुनाव की प्रतिनिधि प्रणाली के माध्यम से उस शक्ति का सीधे या परोक्ष रूप में उपयोग करती है। ऐसे में सबसे अधिक शक्ति आम व्यक्ति के हाथ में है जिसे हर व्यक्ति को समझना चाहिए व अपने अधिकर का प्रयोग करके योग्य उम्मीदवार को वोट देना चाहिए। लोकतंत्र नागरिकों की उचित और निष्पक्ष भागीदारी के बिना विफल हो जाएगा। प्रत्येक वोट हमारे लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाता है। एक वोट प्रदेश व देश के विकास में बहुत महत्व रखता है। लेकिन यदि देखा जाए तो कुछ वर्षो से मतदान में काफी अंतर आया है। लोग अत्यधिक जागरूक हो गए है।

सुरक्षित तथा निष्पक्ष चुनाव जनतंत्र की जीवनधारा है। समय-समय पर कराए गए विश्वसनीय चुनावों से भारत में शांतिपूर्ण ढंग से सत्ता का हस्तांतरण हुआ तथा सामान्य नागरिक का समावेश तथा सशक्तिकरण हुआ। जनतंत्र के प्रमुख सहारे के तौर पर चुनाव लोगों की शक्ति को यथार्थ में रूपांतरित करता है। यह केवल तभी संभव है जब लोग इस शक्ति का प्रयोग करते हुए चुनाव में भाग लें।

मन का संयम सब से बड़ी विद्या

संसार के इतिहास का निरीक्षण करने से उसमें सब देश और जातियों में प्राप्त होने वाली आश्चर्य कारक बातें मिलेंगी। उन आश्चर्य कारक बातों पर सब देशों के श्रद्धालुओं का विश्वास रहा है। यहाँ सुनी हुई बातों की अपेक्षा मैं अपनी आँखों देखी हुई बातों का ही उल्लेख करूंगा!

एक बार मैंने सुना कि भारत के अमुक शहर में एक महात्मा आये हुए हैं जो मन की बात और भविष्य बताते हैं। मैं कुछ मित्रों सहित उनके पास गया। हम लोगों ने अपने प्रश्न अपनी डायरी में लिख रखे थे। वहाँ पहुँचते ही उन महात्मा ने सारे प्रश्नों को बता दिया और उनके संबन्ध में भविष्य वाणी भी की। इसके बाद उन्होंने कागज के छोटे छोटे टुकड़ों पर कुछ लिख कर हम लोगों को दिया और उन्हें जेबों में रख लेने का आदेश दिया। इधर उधर की बातें होने के कुछ देर बाद उन्होंने कहा आप लोग चाहे जिस भाषा का वाक्य मन में चिन्तन करें मैं उसको बतला दूँगा। हमें मालूम था कि वे संस्कृत अरबी जर्मन आदि भाषाएं नहीं जानते। इसलिए हम लोगों ने प्रथम संस्कृत अरबी और जर्मन भाषा के वाक्य मन में लिये। कुछ देर इधर उधर की बातें होने के बाद उन्होंने कहा कि घंटे भर पहले जो कागज के टुकड़े मैंने आप लोगों को दिये थे उन्हें जेबों से निकाल कर पढ़िये। हमने निकाल कर पढ़ा तो अक्षरश: वही वाक्य लिखे मिले जो हमने मन में सोचे थे। इस पर हमें बड़ा आश्चर्य हुआ। हमें संदेह हुआ कि शायद इनने कोई चालाकी की हो, इस पर हमने फिर जाँच की पर उनके चमत्कार सच्चे ही साबित हुए।

इसी प्रकार के एक चमत्कार करने वाले महात्मा से मिलने मैं हैदराबाद गया। भेंट के बाद एक दिन वे आकर हमारी कोठरी में बैठ गये। वे केवल एक धोती पहने हुए थे जिससे यह संदेह भी व्यर्थ था कि कोई चीज कहीं छिपी होगी। उन्होंने कहा कहिये कौन सी वस्तु ला दूँ? हम लोगों ने विभिन्न देशों में पैदा होने वाले फल माँगे। देखते ही देखते उसी तरह के फलों का उन्होंने ढेर लगा दिया। तोले जाते तो वे फल उन सज्जन के शरीर से चौगुने होते। इन सुस्वादु फलों को सबने खाया। अन्त में उन्होंने ओस की बूँदें पड़े हुए बहुत से गुलाब के फूल हमें दिये। लोग नेक बनने की अपेक्षा विद्वान बनने का प्रयत्न अधिक करते हैं, फलस्वरूप वे भ्रम में पड़ जाते हैं। दुनियाँ में कालापन बहुत है, पर वह सफेदी से अधिक नहीं है। यदि ऐसा न होता तो यह दुनियाँ रहने के सर्वथा अयोग्य होती।

ऐसी चमत्कारिक बातें हमारे देश की तरह आपके यहाँ भी होती होंगी कुछ बातें नकली भी की जाती हैं पर नकल भी असल की ही होती हैं। यह बातें अविश्वसनीय नहीं होतीं केवल हम उन बातों के असली रहस्य से अनभिज्ञ होते हैं। प्राचीन काल में भारत में ऐसे चमत्कार हजारों होते थे पर अब उतने दिखाई नहीं देते। यह एक मानी हुई बात है कि जिस देश की जन संख्या बढ़ जाती है वहाँ का आध्यात्मिक बल घट जाता है। प्राचीन काल में जब भारत की जनसंख्या कम थी तब वहाँ के निवासियों ने आध्यात्मिक तत्त्व की महत्वपूर्ण खोज करके इस विषय का सर्वांग पूर्ण शास्त्र बनाया था। भारतीय जानते थे कि यह सब चमत्कार प्रकृति के नियमों के अनुकूल ही होते हैं। जो बात हमेशा नहीं दिखाई पड़ती उसे ही चमत्कार कहते हैं। आज जो बातें हमारे दैनिक जीवन में होती हैं एक समय वह भी चमत्कार ही मालूम पड़ती थीं। कुछ लोगों में जन्म से ही आत्म शक्ति विशेष रूप से होती है। अब भी भारत में असंख्य लोग इस शास्त्र का अभ्यास करते हैं।

प्रत्येक मनुष्य का मन, विश्वव्यापी एक ही महामन का अंश है। इसलिए एक मनुष्य के मन का दूसरे के मन से नित्य संबंध है। इसी कारण कहीं एक कोने पर बैठा हुआ आदमी सारे संसार के मनों से संबंध स्थापित कर सकता है। विभिन्न लोगों के मन, विश्वव्यापी महा मन समुद्र की तरंगें हैं उनका आपस में एक दूसरे से सम्बन्धित होना स्वाभाविक ही है। प्राचीन महापुरुषों के चरित्रों पर विचार कीजिए उनको इतना यश अपनी कृतियों के कारण नहीं वरन् व्यक्तिगत तेज के कारण प्राप्त हुआ है। अनेक त्यागी और धुरंधर विद्वान जिनकी योग्यता के सामने आज हमें सिर झुकाना पड़ता है उनके जीवन काल में उन्हें बहुत कम आदर प्राप्त हुआ था। सर्व साधारण पर प्रभाव डालने में बुद्धि एक तिहाई और प्रतिभा दो तिहाई काम करती है। प्रतिभा मुख्य और कृति गौण होती हैं क्योंकि जहाँ प्रतिभा है वहाँ कार्य तो अपने आप होता रहेगा। अन्तत: संसार में कृति का महत्व नहीं किंतु व्यक्ति का है। प्रतिभावान् व्यक्तियों को जादूगर और चलते फिरते विद्युतोत्पादक यंत्र समझना चाहिए वे जहाँ जाएंगे विजय प्राप्त करेंगे। जिस कार्य में हाथ डालेंगे उसी में सफलता पायेंगे। क्यों कि अपनी विद्युत शक्ति से सब जगह चेतना उत्पन्न कर देना उनके लिये कुछ भी कठिन नहीं है।

अभी तक कही हुई बातें अमुक नियम से होती हैं यद्यपि मैं यह नहीं बता सकता, तो भी यह बातें कपोल कल्पित नहीं हैं। क्योंकि व्यवहार में उनका अस्तित्व हम सदैव देखते रहते हैं। जड़ शास्त्रों के नियमों की भाँति इसका कोई नियम निर्धारित नहीं किया जा सकता। मनुष्य में दिखाई देने वाला आत्म तेज, देहान्त होने के बाद भी जीवित रहता है। कृतियों को देख कर उनके तेज की हम एक धुँधली कल्पना कर सकते हैं बड़े बड़े ग्रंथ निर्माता और महात्माओं की तुलना करके देखिये। विद्वतापूर्ण ग्रन्थों से कोई गहरा असर नहीं पड़ता पर महात्माओं की कृति देख कर आप विह्वल हो जाते हैं। महात्माओं के जितना विद्वानों से हमें प्रेम नहीं होता। बुद्धि एक इन्द्रिय और मानवी हृदय की एक बनावट चीज हैं वह अनुकूल परिस्थिति में प्रकाश देती और प्रतिकूल परिस्थिति में नष्ट हो जाती है। महात्माओं का तो हृदय प्रकाशवान होता है एक जलती हुई मशाल से जैसे हजारों दीपक जलाये जा सकते हैं उसी प्रकार महात्माओं के प्रकाश-मय हृदय से सम्बन्ध करने पर करोड़ों लोगों का उद्धार हो जाता है। मनुष्य में विशेषता उत्पन्न करने वाले नियम योग शास्त्र ने ढूँढ़ निकाले हैं वे सब समय देश तथा पात्रों के अनुकूल हैं। धनी, दरिद्र, ग्रही, संन्यासी, परिश्रमी, आराम तलब, सब कोई अपनी विशेषता, अपने स्वरूप और अपने मनोबल को दृढ़ कर सकते हैं!

आत्म तेज बढ़ाने के लिए मन का संयम करना जरूरी है। जब हम अपने मन पर पूरा अधिकार कर लेंगे तो दूसरों के मनों पर अधिकार जमाना भी कठिन न रह जायगा क्योंकि सब मन एक ही विश्व व्यापी मन के अंश हैं। मन का संयम सब से बड़ी विद्या है।

मुझे कुछ लोगों ने कहा कि आप मानस शास्त्र की केवल उत्पत्ति बताते हैं, पर अभ्यास के मार्ग की चर्चा नहीं करते। मेरा कथन हैं कि यह शस्त्र दाल रोटी का कौर तो है नहीं, जो उठाया मुँह में रख लिया। आप जड़ शास्त्रों का अभ्यास करते हैं, वह कठिन नहीं है क्योंकि जिन वस्तुओं की छानबीन करते हैं वे जड़ हैं। उदाहरणार्थ इस कुरसी को आपको चूर करना हो तो कुरसी आप से लड़ने नहीं आवेगी। यह बात मन की नहीं है मन पर अधिकार करना सहज नहीं हैं। उसका आकलन करने के लिए दिन रात परिश्रम करने होंगे। मैं बड़ा भारी योगी नहीं हूँ परन्तु उसकी रूपरेखा जानने में ही मुझे तीस वर्ष बिताने पड़े हैं।

(स्वामी विवेकानन्द की जीवनी और व्याख्यान से)

Himachal Pradesh Public Works Department

NOTICE INVITING TENDER

The Executive Engineer HPPWD Nalagarh, Distt. Solan HP on behalf of Governor of HP invites the Item rate bids, in electro/nic tendering system from the eligible class of contractors registered with HP PWD for the works as detailed in the table.

Sr. No.	Description of Work	Estimated Cost	Starting date for downloading Bid and end date	Earnest Money	Cost of form	Deadline for submission of Bid	Time	Eligible Class of Contractor
1	A/R &M/O on various panchayat road under Nalagarh Constitution (SH:- Hiring of JCB for removal of slips) D.C Deposit.	100,000/-	11 -10-2022 at 3.00 PM to 18.10.2022 upto 11.00 AM	2000/-	350/-	18-10.2022 upto 11.00 AM	Three Month	C & D Class
2	Restoration of rain damages on various roads under Ramshehar Sub Division (Section Sunna) (SH:- Hiring of JCB for removal of slips, dressing of berms and clearance of drains).	1,50,000/-	11 -10-2022 at 3.00 PM to 18.10.2022 upto 11.00 AM	3000/-	350/-	18.10.2022 upto 11.00 AM	Three Month	C & D Class
3	Restoration of rain damages on various roads under Ramshehar Sub Division (Section Diggal) (SH:- Hiring of JCB for removal of slips, Dressing of berms and clearance of drains).	1,50,000/-	11 -10-2022 at 3.00 PM to 18.10.2022 upto 11.00 AM	3000/-	350/-	18.10.2022 upto 11.00 AM	Three Month	C & D Class
4	Restoration of rain damages on various roads under Ramshehar Sub Division (Section Ramshehar) SH:- Hiring of JCB for removal of slips, dressing of berms and clearanceof drains).	1,50,000/-	11 -10-2022 at 3.00 PM to 18.10.2022 upto 11.00 AM	3000/-	350/-	18.10.2022 upto 11.00 AM	Three Month	C & D Class
5	C/O link road from Ramshehar Sai main road to Meleta to Baddu km 0/0 to 0/900 (SH:- ROFD km 0/0 to 0/300 and C/O 900mm dia RCC hume pipe culvert at RD 0/180).	2,97,380/-	11 -10-2022 at 3.00 PM to 18.10.2022 upto 11.00 AM	6000/-	350/-	18.10.2022 upto 11.00 AM	Three Month	C & D Class
6	A/R M/O link road to Village Dharmana km 0/0 to 9/160 (SH P/L Gr-II, 50mm DGBM, 25 mm thick, B.C in km 4/00 to 9/160). 2nd Cll	18,65,847/-	11 -10-2022 at 3.00 PM to 18.10.2022 upto 11.00 AM	37,317/-	500/-	18.10.2022 upto 11.00 AM	Three Month	C & D Class
7	A/R M/O Ramshehar Chamdar Luna road km 0/0 to 23/200 (SH P/L Gr-II, 50mm DGBM, 25 mm thick B.C in km 4/00 to 22/500). 2nd Cll	19,12,080/-	11 -10-2022 at 3.00 PM to	38,242/-	500/-	18.10.2022 upto 11.00 AM	Three Month	C & D Class

The bidders are advised to note other details of Tenders from the department website www.hptenders.gov.in.

Executive Engineer Nalagarh B&R Division, HP PWD. Nalagarh

R.O. No. 4909/22-23

HIM SUCHNA AVAM JAN SAMPARK

आम चुनाव में भाजपा बड़ी जीत की ओर अग्रसर : सुरेश कश्यप

अजय कश्यप

सोलन . बाख़बर कनेक्ट

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप ने कहा कि आदर्श आचार संहिता कभी भी लगाई जा सकती है और भाजपा आगामी आम चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है। डबल इंजन सरकार ने हिमाचल में जिस तरह से काम किया है वह प्रभावशाली है।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के समग्र विकास के लिए बहुत कुछ किया है और हिमाचल ने सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। डबल इंजन सरकार ने समाज के सभी वर्गों का भी ख्याल रखा है। आगामी आम चुनाव में भाजपा बड़ी जीत की ओर अग्रसर है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक **हेमराज हरनोट** द्वारा वायलट हिल, जाखू, शिमला-1 से प्रकाशित एवं **दुर्गा पेपर कन्वर्टरज़**, कांशी भवन, तारादेवी, शिमला-10, जिला शिमला (हि.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : **हेमराज हरनोट।**
बाख़बर कनेक्ट से सम्बन्धित सभी मामलों का निपटारा न्यायिक अधिकार क्षेत्र शिमला में ही होगा। फोन नं. 094185-88654, email: bakhabarconnect@gmail.com, Post Box No. 86, Shimla-1, H.P.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का देवभूमि हिमाचल आगमन पर

हार्दिक अभिनंदन

कार्यक्रम के मुख्य बिंदु

उद्घाटन

एम्स बिलासपुर

- **परियोजना लागत : ₹1471 करोड़**
- जनवरी, 2018 को केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी
- 750 बिस्तरों की सुविधा, 100 एम.बी.बी.एस. एवं 60 नर्सिंग की सीटें
- 5 दिसम्बर, 2021 से ओपीडी आरम्भ, अब 150 मरीजों के लिए इन्डोर पेशन्ट सुविधा
- आपातकालीन व ट्रॉमा सेवाएं आरम्भ। कैथलैब, डायलसिज़ व कैंसर थेरेपी भी आरम्भ

गवर्नमेंट हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज, बन्दला, बिलासपुर

- **परियोजना लागत : ₹140 करोड़**
- NHPC व NTPC द्वारा संयुक्त रूप से वित्तपोषित
- इलैक्ट्रिकल एवं सिविल इंजीनियरिंग के 507 विद्यार्थी कर रहे शिक्षा ग्रहण

शिलान्यास

मेडिकल डिवाइस पार्क

- **परियोजना लागत : ₹349.83 करोड़**
- ₹100 करोड़ का अनुदान दे रही केन्द्र सरकार
- हिमाचल सरकार वहन करेगी करीब ₹249.83 करोड़
- पार्क की स्थापना होने पर ₹5000 करोड़ का होगा निवेश
- मेडिकल डिवाइस पार्क में उद्योगों की स्थापना के लिए अब तक ₹800 करोड़ से अधिक के एमओयू साइन
- करीब 10 हज़ार लोगों को मिलेगा रोज़गार

भारतमाला परियोजना के अन्तर्गत NH-105 पर पिंजौर से नालागढ़ तक की फोर लेनिंग

- **परियोजना लागत : ₹1692 करोड़**
- कुल लम्बाई 31.195 कि.मी., हिमाचल प्रदेश में 17.395 कि.मी. व शेष 13.8 कि.मी. हरियाणा में
- इस परियोजना से नालागढ़-बद्दी स्थित औद्योगिक इकाइयों को विशेष लाभ मिलेगा
- पर्यटन की दृष्टि से भी यह परियोजना प्रदेश के लिए लाभकारी सिद्ध होगी
- हिमाचल प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र नालागढ़ बद्दी में यातायात में सुधार होगा
- चण्डीगढ़, अम्बाला से बिलासपुर, मण्डी व मनाली की ओर जाने वाले यात्रियों को सुविधा होगी

5 अक्टूबर, 2022 को प्रात: 11 बजे लुहणू मैदान बिलासपुर में माननीय प्रधानमंत्री का सम्बोधन तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपराह्न में अंतर्राष्ट्रीय कुल्लू दशहरा के भव्य देव समागम के साक्षी बनेंगे

आप सभी सादर आमंत्रित हैं

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डी.डी. न्यूज़, डी.डी. हिमाचल एवं फेसबुक पेज CMOHIMACHAL पर देख सकते हैं

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, हिमाचल प्रदेश सरकार

www.himachalpr.gov.in HimachalPradeshGovtIPRDept DPR Himachal dprhp

आज़ादी का अमृत महोत्सव

"ईमानदार नेतृत्व, शांतिप्रिय वातावरण, देवी-देवताओं का आशीर्वाद और परिश्रम की पराकाष्ठा करने वाले हिमाचल के लोग सभी अतुलनीय हैं। हिमाचल के पास तेज विकास के लिए जरूरी हर चीज मौजूद है। समृद्ध और सशक्त भारत के निर्माण में हिमाचल अपने योगदान का निरंतर विस्तार करता रहे यही मेरी शुभकामनाएं हैं।"

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

केन्द्र व हिमाचल की डबल इंजन सरकार ला रही सुखद बदलाव

आयुष्मान भारत
- 4.33 लाख परिवारों के गोल्डन कार्ड बनाए गए
- 1.60 लाख लाभार्थियों का 201.54 करोड़ रुपये खर्च कर किया निःशुल्क इलाज

मुख्यमंत्री हिमाचल हेल्थकेयर योजना–हिमकेयर
- 6.43 लाख परिवार पंजीकृत
- 3.42 लाख लाभार्थियों के इलाज पर 325.58 करोड़ रुपये खर्च

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना
- 1.38 लाख परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन दिए गए
- 28.15 करोड़ रुपये खर्च

मुख्यमंत्री गृहिणी सुविधा योजना
- 3.35 लाख परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन दिए गए
- 2.67 लाख लाभार्थियों को दिया एक अतिरिक्त गैस रिफिल

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना
- राज्य के 9.83 लाख से अधिक किसानों को दिए गए लगभग 1931.63 करोड़ रुपये

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना
- 41.71 करोड़ रूपये खर्च
- 1563.40 हेक्टेयर भूमि सिंचित
- 7622 किसान लाभान्वित

मेरा हिमाचल - मेरा गौरव
75 साल 1948 - 2022

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना
- 3426 लाभार्थियों को 3.64 करोड़ रुपये के ऋण दिए गए

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना
- कुल 1,26,825 मीट्रिक टन खाद्यान्न वितरित
- 841 करोड़ खर्च, 30,07,653 लोग लाभान्वित

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)
- वर्ष 2018 से अब तक 58.09 करोड़ रुपये खर्च कर 7,893 लाभार्थियों को मकान स्वीकृत

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)
- 5,717 आवास निर्मित
- 133.07 करोड़ रूपये खर्च

सामाजिक सुरक्षा पेंशन
- 7.21 लाख लाभार्थियों को मिल रही पेंशन

जनमंच
- विभिन्न चरणों में 256 स्थानों पर जनमंच आयोजित
- 55,249 समस्याएं प्राप्त
- अधिकांश का किया समाधान

प्राकृतिक खेती–खुशहाल किसान योजना
- 1,71,063 किसानों ने अपनायी प्राकृतिक खेती, 58.46 करोड़ रुपये खर्च
- 9,464 हेक्टेयर क्षेत्र प्राकृतिक खेती के तहत लाया गया

जल जीवन मिशन
- 8.65 लाख घरों में नल से पहुंचाया जल
- वर्ष 2021–22 के लिए 4,111 करोड़ रुपये आवंटित

मुख्यमंत्री सेवा संकल्प हेल्पलाइन–1100
- 4.46 लाख से अधिक शिकायतें प्राप्त
- 97 प्रतिशत का किया निपटारा

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, हिमाचल प्रदेश सरकार

www.himachalpr.gov.in HimachalPradeshGovtIPRDept IPR Himachal dprhp